>

Title: Need to revive Shakuntala Railway Service in Vidarbha Region.

श्रीमती भावना पाटील गवली (यवतमाल-वाशिम): अध्यक्षा जी, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस बात की ओर आकर्षित करना चाहती हूं कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र यवतमाल-वाशिम में ब्रिटिश सरकार ने 1916 में शकुन्तला रेलवे सेवा शुरु की थी जो अब बार-बार बंद की जा रही है। इसके कारण लोगों को बहुत सारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। देश का राष्ट्रीय ध्येय है कि मीटर गेज और नेरो गेज को ब्रॉड गेज में परिवर्तित किया जाए। वर्ष 1999-2000 से मैं मांग करती आ रही हूं कि इस नेरो गेज रेल को ब्रॉड गेज में परिवर्तित किया जाए। वर्ष 2005 में उसका सर्वे भी हुआ लेकिन आज तक उसे मंजूरी नहीं मिली है। शकुन्तला रेलवे सेवा में छोटे-छोटे तबके के लोग आना-जाना करते हैं। लेकिन बारिश का कारण बताकर प्रशासन ने उसे बंद किया है। मेरी आपके माध्यम से मांग है कि जो विदर्भ रीजन है, वहां के करीब 5 जिलों से यह रेल जाती है और हमारे उस रीजन के सभी सांसदों की मांग है कि वह रेल शुरु की जाए और उसे ब्रॉड गेज में भी परिवर्तित किया जाए। मैं समझती हूं कि ब्रिटिश सरकार की एक समझ थी, एक दृष्टि थी और उन्होंने व्यापार की दृष्टि से यह रेलवे चलाई थी, लेकिन आज की सरकार को वह बात समझ में क्यों नहीं आ रही है। इसीलिए मेरी मांग है कि तुंत शकुंतला रेलवे सेवा जो बंद की गयी है उसे शुरु किया जाए और उसे ब्रॉड गेज में भी परिवर्तित किया जाए। उस क्षेत्र के किसानों ने आत्महत्याएं की हैं, वहां कोई डिवेलपमेंट नहीं है, इसलिए मेरे क्षेत्र विदर्भ में डिवेलपमेंट हो और मेरी सरकार से विनती है कि वह तुंत इस पर निर्णय ले।